आशा भोसले का अविस्मरणीय सफर

मशहूर पार्श्व गायिका आशा भोसले का 12 अप्रैल 2026 को 92 वर्ष की आयु में 'कार्डियक अरेस्ट' के कारण मुंबई के ब्रीच कैंडी अस्पताल में निधन हो गया। उपलब्ध जानकारी के अनुसार चेस्ट इंफेक्शन और अत्यधिक थकान के कारण उनकी तबीयत अचानक बिगड़ गई थी। उनके निधन के साथ ही हिंदी सिनेमा का एक स्वर्णिम और सुरम्य अध्याय समाप्त हो गया। उनकी बड़ी बहन लता मंगेशकर, जिन्हें 'भारत कोकिला/स्वर कोकिला' कहा जाता है, का निधन 6 फरवरी 2022 को रविवार के दिन, 92 वर्ष की आयु में इसी अस्पताल में हुआ था। एक मार्मिक संयोग यह भी रहा कि ठीक लगभग चार वर्ष बाद, 22 अप्रैल 2026 को रविवार के दिन ही आशा भोसले ने भी 92वें वर्ष में उसी अस्पताल में अंतिम सांस ली।

8 सितम्बर 1933 को सांगली(महाराष्ट्र) में जन्मी आशा जी, महान शास्त्रीय गायक दीनानाथ मंगेशकर की पुत्री और लता मंगेशकर की छोटी बहन थीं। उनके परिवार में उषा मंगेशकर, मीना खाडिकर और हृदयनाथ मंगेशकर जैसे प्रतिभाशाली सदस्य भी संगीत साधना से जुड़े रहे। पिता के असमय निधन के बाद उन्होंने बहुत कम उम्र में ही परिवार की जिम्मेदारियां संभालीं और परिस्थितियोंवश गायन को अपनाया-इसी कारण वे स्वयं को 'एक्सीडेंटल सिंगर' भी कहा करती थीं।

बहरहाल, यहां पाठकों को बताता चलूं कि अपने विलक्षण और दीर्घ करियर में आशा भोसले ने 20 से अधिक भाषाओं में लगभग 12,000 से भी अधिक गीत गाए और 1000 से अधिक फिल्मों में अपनी आवाज़ दी और इस अद्वितीय,अनूठी व शानदार उपलब्धि के लिए वर्ष 2011 में उनका नाम गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड्स में दर्ज किया गया। शास्त्रीय संगीत की सुदृढ़ नींव पर आधारित उनकी गायकी ने ग़ज़ल, भजन, पॉप, कैबरे और पश्चिमी संगीत तक हर विधा में अपना जादू बिखेरा। उनकी 'वॉइस मॉड्यूलेशन' की अद्भुत क्षमता-भाव, लय और शब्द के अनुरूप आवाज़ को ढाल लेने की कला-उन्हें अपने समय की सबसे बहुमुखी और प्रयोगशील गायिकाओं में स्थापित करती है। उनके निजी जीवन में कई उतार-चढ़ाव आए। उनका पहला विवाह गणपत राव भोसले से हुआ, जो सफल नहीं रहा। बाद में उन्होंने 1980 में प्रसिद्ध संगीतकार आर. डी. बर्मन (पंचम दा) से विवाह किया। यह तथ्य उल्लेखनीय है कि पंचम दा उनसे लगभग छह वर्ष छोटे थे। वे पहली बार आशा जी से ऑटोग्राफ लेने आए थे और बाद में विवाह का प्रस्ताव रखा। प्रारंभ में आशा जी ने इसे अस्वीकार किया, किंतु अंततः यह संबंध जीवन और संगीत-दोनों में अमर सिद्ध हुआ। इस जोड़ी ने हिंदी फिल्म संगीत को अनेक कालजयी गीत दिए। इसके अतिरिक्त, संगीतकार ओ. पी. नैयर के साथ उनकी जोड़ी भी अत्यंत लोकप्रिय रही; नैयर साहब उनकी आवाज़ की 'अदा' और 'नमक' के इतने प्रशंसक थे कि उन्होंने कभी लता मंगेशकर से गीत नहीं गवाए।

उल्लेखनीय है कि आशा भोसले को फिल्म उमराव जान (1981) की ग़ज़लों के लिए अपना पहला राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार प्राप्त हुआ, जिससे यह सिद्ध हो गया कि वे केवल चंचल या कैबरे गीतों तक सीमित नहीं थीं, बल्कि गंभीर और शास्त्रीय विधाओं में भी उतनी ही समर्थ थीं। इतना ही नहीं, वर्ष 2000 में उन्हें प्रतिष्ठित दादा साहेब फाल्के पुरस्कार और वर्ष 2008 में पद्म विभूषण से सम्मानित किया गया। उन्होंने एस. डी. बर्मन, ए. आर. रहमान और किशोर कुमार जैसे महान कलाकारों के साथ अनगिनत लोकप्रिय गीत दिए। 62 वर्ष की आयु में फिल्म रंगीला के 'तन्हा तन्हा' और 'रंगीला रे' जैसे गीतों ने यह सिद्ध कर दिया कि उनकी आवाज़ में युवाओं जैसी ऊर्जा आजीवन बनी रही। 'आओ हुज़ूर तुमको' (फिल्म किस्मत) जैसे गीतों में उनका सहज, बिना रिहर्सल का भाव-संयोजन आज भी मिसाल माना जाता है।

हाल फिलहाल,यहां पाठकों को यह भी बताता चलूं कि गायन के अतिरिक्त उन्होंने अभिनय(एक्टिंग) में भी रुचि दिखाई और 2013 में फिल्म माई से मुख्य अभिनेत्री के रूप में पदार्पण किया। वे उत्कृष्ट पाक-शैली की शौकीन थीं; उनका कहना था कि यदि वे गायिका न होतीं, तो एक बेहतरीन कुक बनतीं। कहते हैं कि उनके हाथ का 'कढ़ाई गोश्त' और 'मछली' किशोर कुमार और आर. डी. बर्मन जैसे दिग्गजों के बीच बेहद लोकप्रिय था। उनके नाम से 'आशा'ज' रेस्टोरेंट श्रृंखला दुबई, कुवैत, बहरीन और यूनाइटेड किंगडम में प्रसिद्ध रही, जो उनकी व्यावसायिक समझ का भी प्रमाण है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी उन्होंने अपनी विशिष्ट पहचान बनाई। ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेटर ब्रेट ली के साथ उन्होंने-यू आर द वन फोर मी गीत गाया।

वर्ष 2005 में- यू हैव स्टोलन माई हर्ट एल्बम क्रोनोस क्वार्टेट के साथ रिकॉर्ड किया, जो ग्रैमी पुरस्कारों के लिए नामांकित हुआ। यहां यह उल्लेखनीय है कि वे ग्रैमी के लिए नामांकित होने वाली अग्रणी भारतीय गायिकाओं में शामिल रहीं। उन्होंने अंग्रेज़ी, रूसी, मलय और चेक जैसी विदेशी भाषाओं में भी गीत गाए, जिनमें उनका उच्चारण अत्यंत सटीक था। साथ ही, वे मिमिक्री कला में भी निपुण थीं। उनका व्यक्तिगत जीवन भी गहरे दुखों से गुज़रा। वर्ष 2012 में उनकी बेटी वर्षा और 2015 में पुत्र हेमंत का निधन हुआ, जिसने उन्हें भीतर तक झकझोर दिया। इसके बावजूद उन्होंने कभी अपने चेहरे की मुस्कान और संगीत के प्रति समर्पण को कम नहीं होने दिया। 80 वर्ष की आयु के बाद भी वे मंच पर सक्रिय रहीं, जो उनके अदम्य उत्साह और जीवटता का प्रमाण है। उनका सिग्नेचर लुक-सफेद साड़ी और मोतियों का हार-उनकी सादगी, गरिमा और विशिष्ट पहचान का प्रतीक बन गया।

कार्टून कोना...

72 घंटे बाद 8 फीट गहरी समाधि से स्वयं बाहर आए राजगुरु महाराज

इंदौर। तिल्लौर-शिवनगर मार्ग स्थित संकट मोचन हनुमंत मंदिर, खेड़ापति आश्रम पिपलिया लोहार में उस समय आस्था का अद्वितीय और भावविभोर कर देने वाला दृश्य साकार हुआ, जब 72 घंटे की दिव्य भू-समाधि साधना के पश्चात तपोनिष्ठ संत श्री श्री 1008 महामंडलेश्वर श्री राजगुरु जी महाराज सोमवार को दोपहर 12:45 बजे समाधि से बाहर आए।

यह क्षण केवल एक घटना नहीं, बल्कि हजारों-लाखों श्रद्धालुओं के लिए जीवन भर की अनुभूति बन गया।

इसके पश्चात 12:35 बजे शंखध्वनि और ढोल-नगाड़ों की गूंज के साथ वातावरण दिव्यता से भर उठा। ठीक 12:40 के आसपास वैदिक परंपरा के अनुसार 11 विद्वान पंडितों के दल ने गंगाजल का छिड़काव कर महाराज श्री की समाधि का उद्घाटन किया।

समाधि स्थल पर महाराज श्री उसी अवस्था में विराजमान थे, जिस भाव में वे साधना में लीन हुए थे।

जैसे ही साधना पूर्ण हुई, महाराज श्री ने जय श्री राम और जय हनुमान का उद्घोष किया और बिना किसी सहारे के स्वयं 8 फीट गहरी समाधि से बाहर आ गए। इस अवसर पर विधायक सुश्री उषा ठाकुर भी विशेष रूप से उपस्थित रहीं।

आयोजन समिति से जुड़े सुभाष पाटीदार (छोटू भाई) एवं अन्य कार्यकर्ताओं ने बताया कि मंगलवार को सर्व समाज निःशुल्क सामूहिक विवाह सम्मेलन एवं विशाल भंडारे का आयोजन किया जाएगा ।

खाटू श्याम भजन संध्या में सजाया बाबा का मनोहारी दरबार, नाचते रहे सैकड़ों श्रद्धालु

इन्दौर। अग्रवाल समाज के वरिष्ठ समाजसेवी, मध्य भारत अग्रवाल सभा एवं खेह नगर रहवासी संघ के प्रमुख रमेश गुप्ता पीटेवाले के आतिथ्य में एबी रोड स्थित माहेश्वरी मांगलिक भवन पर वैशाख शुक्ल एकादशी के उपलक्ष्य में खाटू श्याम बाबा का दरबार सजाकर भजन संध्या का दिव्य आयोजन किया गया।

संयोजक दीपक गुप्ता मोटी ने बताया कि इस अवसर पर अग्रवाल समाज केन्द्रीय समिति के अध्यक्ष प्रेमचंद गोयल, पूर्व अध्यक्ष गणेश गोयल, पार्षद मृदुल अग्रवाल, शैलेष गर्ग, पिंटू जोशी भी विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित थे। इस मौके पर समाजसेवी शैलेन्द्र गुप्ता आयोजन, भगवान गुप्ता, दिलीप गुप्ता, पवन यजमान, लंदन से आई श्रीमती टिंकी गुप्ता सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने नाचते गाते हुए अपनी खुशियाँ व्यक्त की और रंगकर्मी दीपक लवंगड़े एवं उनके सहयोगी कलाकारों द्वारा श्रृंगारित श्याम दरबार की पूजा अर्चना की।

सामाजिक संगठन समाज के अंतिम व्यक्ति तक शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार उपलब्ध कराने के लिए भी काम करें - डॉ. हर्षवर्धन

इन्दौर। सामाजिक संगठनों को और अधिक सक्षम, सम्पन्न और मजबूत बनाकर समाज के अंतिम व्यक्ति तक शिक्षा, स्वास्थ्य एवं रोजगार उपलब्ध कराने की दिशा में भी काम करने की जरूरत है। इसके लिए समाज के सक्षम वर्ग को स्वप्रेरणा से आगे आने का जज्बा रखना चाहिए। वर्तमान दौर में परम्परागत व्यवस्थाओं और आधुनिकता के बीच संतुलन बनाकर अपनी कार्यपद्धति का निर्धारण करना चाहिए।

ये प्रेरक विचार हैं पूर्व केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्री डॉ. हर्षवर्धन के, जो उन्होंने रविवार की रात को पीपल्याहाना स्थित होटल एएफसी पर अग्रसेन महासभा के नए अध्यक्ष राजेश जिंदल एवं सचिव अनूप सिंघल तथा उनकी कार्यकारिणी के पदाधिकारियों के शपथ विधि समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में व्यक्त किए। वरिष्ठ समाजसेवी प्रेमचंद गोयल विशेष अतिथि थे जबकि सीए अनिल कुमार गर्ग ने नए पदाधिकारियों को सेवा की शपथ दिलाई।

प्रारंभ में अतिथियों का स्वागत निवृत्तमान अध्यक्ष कैलाश नारायण बंसल, राजेश मित्तल चौधरी, कार्यक्रम संयोजक अरुण आष्टावाले, रामनिवास मित्तल, मोहन लाल बंसल, एसएन गोयल समाधान आदि ने किया।

महासभा के पूर्व अध्यक्ष पीडी अग्रवाल कांट्रेक्टर, समाजसेवी टीकमचंद गर्ग, विष्णु प्रसाद बिंदल, सुरेश बंसल, अशोक एरन, अजय मोतीलाल अग्रवाल, महेंद्र अग्रवाल सहित शहर के अनेक सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधि एवं मातृशक्ति भी इस मौके पर बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। अध्यक्ष सचिव के साथ नई कार्यकारिणी ने उपाध्यक्ष अशोक अग्रवाल, सहसचिव अजय कैलाश अग्रवाल, कोषाध्यक्ष त्रिलोक अग्रवाल तथा कार्यकारिणी के सदस्यों ने भी शपथ ग्रहण की। शपथ विधि अधिकारी सीए अनिल कुमार गर्ग ने विश्वास व्यक्त किया कि नई कार्यकारिणी सेवा की अपनी परम्परा को और अधिक रफ्तार से आगे बढ़ाएगी।

पूर्वांचल मिलन समारोह में शहर में दिखी पूर्वांचल के संस्कृति की भव्य झलक

इंदौर। पूर्वोत्तर की समृद्ध सांस्कृतिक परंपरा का उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए श्री सूर्य मंदिर छठ पूजा समिति, कैट रोड द्वारा राजेंद्र नगर स्थित जवाहर सभा गृह में शहर में रह रहे पूर्वांचल वासियों का भव्य मिलन समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम में सामाजिक और सांस्कृतिक गतिविधियों के साथ-साथ समाज के गणमान्य व्यक्तियों का सम्मान भी किया गया। समारोह में क्षेत्रीय पार्षद एवं जोन अध्यक्ष प्रशांत बडवे मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे, जबकि मध्य प्रदेश पूर्वोत्तर सांस्कृतिक संघ के अध्यक्ष ठाकुर जगदीश सिंह विशिष्ट अतिथि के रूप में शामिल हुए। श्रीमती लता बडवे की उपस्थिति ने कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। विशिष्ट अतिथि ठाकुर जगदीश सिंह ने इंदौर में छठ पूजा के लिए प्रस्तावित तालाबों के निर्माण का उल्लेख करते हुए मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के प्रति आभार व्यक्त किया। वहीं, प्रशांत बडवे ने पूर्वांचल वासियों की सराहना करते हुए कहा कि वे इंदौर में रहकर भी अपनी परंपराओं और महान लोकपर्व छठ पूजा को जीवंत बनाए हुए हैं, जो प्रेरणादायक है।इस अवसर पर ठाकुर दीनानाथ सिंह, मुसा भाई, राजेंद्र नगर व्यापारी संघ के अध्यक्ष राजेश तेजावत, भाजपा मंडल महामंत्री नवनीत हार्डिया सहित अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। कार्यक्रम के आयोजन के लिए संयोजक मुनेश्वर प्रसाद, अध्यक्ष जितेंद्र गुप्ता एवं महासचिव प्रकाश चंद्र वर्मा को धन्यवाद ज्ञापित किया।

नशे की लत में फंसे 35 युवाओं के पालकों के लिए अनूठा आयोजन

इन्दौर। पंचकुइया स्थित परमानन्द हॉस्पिटल परिसर में संचालित अंकुर रिहेब सेंटर पर नशे की लत में फंसे करीब 35 युवाओं के अभिभावकों तथा पालकों के लिए आयोजित कार्यशाला में पीड़ित परिवारों और व्यक्तियों को राहत पहुँचाने के उद्देश्य से अनूठे प्रयोग किए गए।

बरजी बाई मेमोरियल सोसायटी के तत्वावधान में आयोजित इस कार्यशाला में अभिभावकों को बताया गया कि इन लतों से राहत केवल मरीज की यात्रा नहीं होती, बल्कि इसमें परिवार के सदस्यों की ताकत और प्रेरणा भी उतनी ही महत्वपूर्ण और जरुरी होती है। कार्यशाला में डॉ. अंकुर अग्रवाल एवं डॉ. अनुजा त्रिपाठी ने पालकों का मार्गदर्शन करते हुए उन्हें बताया कि वे अपने प्रियजनों को किस तरह संभाले, भावनात्मक चुनौतियों का कैसे सामना करें । सोसायटी की समन्वयक प्रियंका शुक्ला, काउन्सलर शुभांगु अवस्थी एवं पीयर काउंसलर राकेश शर्मा, सुपरवाइजर रिंकू दुआ सहित सेंटर के पदाधिकारियों ने करीब 4 घंटे चली इस कार्यशाला में नशे की लत से छुटकारा दिलाने में परिवारजनों की भूमिका को सबसे महत्वपूर्ण बताते हुए कहा कि यदि हम अपने प्रियजन का मनोबल बढ़ाकर ठान लेंगे कि हम भी इस समाज में अपना योगदान देकर इन व्यसनों से मुक्ति दिलाने में सफल होकर रहेंगे तो निश्चित ही यह परिवार के साथ समाज और राष्ट्र पर भी बड़ा उपकार होगा।

डॉ. अग्रवाल एवं युगपुरुष धाम की प्राचार्य डॉ. अनिता शर्मा ने बताया कि वर्तमान में इस केंद्र पर 35 व्यक्ति नशे की लत से मुक्ति पाने के लिए नियमित रूप से आ रहे हैं। संस्था के सचिव तुलसी शादिजा ने बताया कि गुरुदेव युगपुरुष स्वामी परमानंद की प्रेरणा से इस भूमि पर पीड़ित मानवता की सेवा का अभियान पिछले 25 वर्षों से निरंतर चलाया जा रहा है।

जम्बूडी हप्सी स्थित अखंड धाम की गौशाला एवं मंदिर के लिए अनेक समाजसेवी बंधु आगे आए

इंदौर । बिजासन रोड स्थित अविनाशी अखंड धाम आश्रम द्वारा ग्राम जम्बूडी हप्सी में निर्माणाधीन गौशाला एवं मंदिर के लिए अनेक समाजसेवी बंधुओं ने सेवा एवं सहयोग के लिए हाथ बढ़ाए हैं। रविवार को गौशाला परिसर में आयोजित बैठक में राधा कृष्ण, खाटू श्याम, राम दरबार एवं शिव दरबार की प्रतिमाएं स्थापित करने के साथ ही एक प्याऊ बनाने का निर्णय भी लिया गया।

आश्रम के महामंडलेश्वर डॉ. स्वामी चेतन स्वरुप, व्यवस्था प्रभारी हरि अग्रवाल एवं दीपक जैन टीनू ने बताया कि गाँव में निर्माणाधीन मंदिर के तीनों शिखर व प्लास्टर का कार्य पूरा हो चुका है। मंदिर के शेष कार्य एवं मूर्तियों की स्थापना के लिए आयोजित बैठक में मंदिर निर्माण को मूर्तरूप देने हेतु चर्चा की गई जिसमें समाजसेवी विष्णु बिंदल, टीकमचंद गर्ग, जगदीश गोयल बाबश्री, अशोक गोयल, राजेश गर्ग, मुरलीधर धामानी, राजेंद्र सोनी, विनय जैन, राजेंद्र तोषनीवाल, आनंद खंडेलवाल, श्रीमती ज्योति प्रतीक श्रीवास्तव, श्रीमती कोमल सुरेश अग्रवाल एवं श्रीमती नीलम दुबे ने मंदिर निर्माण में हरसंभव सहयोग देने के संकल्प व्यक्त किए। मुख्य रूप से राजेंद्र तोषनीवाल ने फ्लोरिंग में लगने वाले मार्बल व राधा कृष्ण की प्रतिमा, श्रीमती कोमल अग्रवाल ने गौशाला के जीर्णोद्धार तथा प्याऊ के निर्माण का संकल्प व्यक्त किया। गाँव के पूर्व सरपंच राधेश्याम पटेल एवं अन्य ग्रामवासियों ने भी मंदिर निर्माण में सहयोग करने का वचन दिया। संचालन हरि अग्रवाल ने किया और आभार माना स्वामी राजानंद ने। इस मौके पर महामंडलेश्वर डॉ. स्वामी चेतन स्वरुप ने जल संसाधन मंत्री तुलसी सिलावट द्वारा गौशाला में बोरिंग खनन के लिए दिए गए सहयोग के लिए उनके प्रति साधुवाद व्यक्त किया और मंदिर निर्माण की विस्तृत योजना बताई।

निशुल्क चिकित्सा शिविर में सेवाएं देने वाले 18 चिकित्सकों का सम्मान

इंदौर। मप्र वैश्य महासम्मेलन के प्रेरणा स्रोत, वरिष्ठ समाजसेवी ब्रह्मलीन रमेशचंद्र अग्रवाल की नौवीं पुण्यतिथि पर रविवार को एबी रोड स्थित माहेश्वरी मांगलिक भवन पर समाजसेवी दिनेश मित्तल द्वारा संचालित दिनेश-राज फाउंडेशन के सहयोग से आयोजित निशुल्क स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिविर में सेवाएं देने वाले शैल्बी हॉस्पिटल के प्रख्यात चिकित्सकों एवं विशेषज्ञ चिकित्सकों का सम्मान किया गया।

शिविर में 18 विशेषज्ञ डॉक्टर्स ने अपने 75 पैरामेडिकल स्टाफ के साथ सुबह 10 बजे से दोपहर 2 बजे तक 986 मरीजों का परीक्षण किया।

संगठन के प्रदेश महामंत्री अरविंद बागड़ी, शिविर संयोजक राजेश इंजीनियर एवं निपुण गर्ग ने बताया कि देश के प्रख्यात घुटना रोग विशेषज्ञ डॉक्टर आशीष सेठ विशेष रूप से अहमदाबाद से आए थे जिन्होंने अनेक मरीजों का परीक्षण किया। शिविर में पेट रोग विशेषज्ञ डॉ. सुधांशु यादव, नाक कान गला एवं कैंसर रोग विशेषज्ञ डॉ. सुनील अग्रवाल, मूत्र एवं किडनी रोग विशेषज्ञ डॉ. विनीत नाजा जैन, हृदय रोग विशेषज्ञ डॉ. नरेंद्र बोरडिया, स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ. मेघा अग्रवाल, हड्डी रोग विशेषज्ञ डॉ. रोमित अग्रवाल, किडनी रोग विशेषज्ञ डॉ. राहुल शुक्ला, चर्म रोग विशेषज्ञ डॉ. आयुष्मान बिंदल, न्यूरो फिजिशियन डॉ. सावन अग्रवाल, यूरोलॉजिस्ट एवं किडनी ट्रांसप्लांट सर्जन डॉ. शशांक चौरसिया एवं रोहित आई हॉस्पिटल के नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉ. ओपी अग्रवाल, डॉ. रोहित अग्रवाल, डॉ. श्वेता गुप्ता एवं डॉ. जयश्री फालके ने मरीजों का परीक्षण किया। शिविर में आए मरीजों की बीपी, शुगर, पीएफटी, यूरिक एसिड, बीएमडी, दूरबीन द्वारा नाक, कान, गले एवं आंखों की जांच, चश्मा एवं दवाई वितरण, मोतियाबिंद के साथ ही सर्वाइकल कैंसर के निदान हेतु 9 से 15 वर्ष की बच्चियों को एचपीवी वैक्सीन भी निशुल्क लगाए गए।

पांडेय बने प. रेलवे के नए जीएम, लिया चार्ज

इन्दौर। मध्य रेलवे, पटना में मुख्य प्रशासनिक अधिकारी (निर्माण/दक्षिण) के पद पर कार्यरत वरिष्ठ रेल अधिकारी रामाश्रय पांडेय ने पश्चिम रेलवे के महाप्रबंधक का पदभार ग्रहण कर लिया। रेल इंजीनियर्स सेवा 1990 बैच के अधिकारी पांडेय वाराणसी मंडल में डीआरएम और उत्तर रेलवे, नई दिल्ली में मुख्य इंजीनियर रह चुके हैं। इसके अलावा रेलवे बोर्ड, हाजीपुर और आरवीएनएल में भी उन्होंने अहम जिम्मेदारियां निभाई। उनके पास रेल प्रशासन और इंफ्रास्ट्रक्चर विकास का लंबा अनुभव है। वे आईआईटी रुड़की और आईआईटी दिल्ली से शिक्षित है और उन्होंने इटली, स्पेन, सिंगापुर समेत कई देशों में उन्नत प्रशिक्षण हासिल किया है।